रोज-रोज सुबह की सैर या व्यायाम करने से जी चुराने वाले और अति व्यस्तता के कारण समय नहीं निकाल पाने वाले वालों के लिए जापान के शोधकर्ताओं ने अच्छी खबर सुनायी है कि, केवल सप्ताहांत में दो दिन 8,000 कदम चलने से असामयिक मौत का खतरा कम किया जा सकता है। क्योटो युनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मेडिसिन समेत कई संस्थानों के शोधकर्ताओं के समूह ने बताया कि, जो लोग प्रति सप्ताह एक या दो दिन रोजाना कम से कम 8,000 कदम चलते हैं, उनमें 10 साल के बाद मौत के जोखिम में उतनी ही कमी देखी गयी, जितनी कि प्रति सप्ताह तीन से सात दिन तक चलने वाले लोगों में थी। यह अध्ययन हाल ही में अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जामा नेटवर्क ओपन मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने 2005 और 2006 के बीच किये गये एक अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का उपयोग किया, जिसमें 20 या उससे अधिक उम्र के 3,101 लोगों द्वारा प्रतिदिन चले गये कदमों और 10 साल बाद मौत के जोखिम के बीच संबंध का अध्ययन किया गया। अध्ययन के अनुसार जो लोग एक या दो दिन और तीन से सात दिन में प्रतिदिन कम से कम 8,000 कदम चले, उनमें से तीन से सात दिन के समूह में मृत्यु दर 16.5 प्रतिशत कम दर्ज की गयी, जबकि एक या दो दिन चलने वाले समूह की मृत्यु दर 14.9 प्रतिशत कम थी। सप्ताहांत पर सैर की सलाह देने वाले क्योटो युनिवर्सिटी ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मेडिसिन के सहायक प्रोफेसर कोसुके इनौए ने कहा, अब हर दिन सैर के लिए दबाव महसूस करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

झालावाड़ में 2 और बीकानेर में एक करोना संक्रमित की मौत

प्रदेश के 16 जिलों में 197 नए कोविड रोगी मिले सोमवार को

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 10 अप्रेल। वर्तमान में राजधानी जयपुर समेत प्रदेश के आधे से ज्यादा जिले करोना महामारी की चपेट में हैं। सोमवार को झालावाड़ में दो तथा बीकानेर में एक करोना संक्रमित रोगी की मौत हो गई, जबकि 16 जिलों में 197 नए मरीज भी सामने आए हैं। चिंताजनक बात यह है कि, प्रदेशभर में इकट्ठे किये गए मात्र 1348 सैंपल्स में से यह मरीज मिले हैं।

चिकित्सा विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को जयपुर 55, राजसमंद में 35, झालावाड़ में 22, उदयपुर व जोधपुर में 16-16, अलवर में 13 तथा अजमेर में 10 नए कोविड रोगी मिले हैं। इसके अलावा पाली में 8, बांसवाड़ा में 5, टोंक व बूंदी 4-4, चितौडगढ़ में 3, सवाईमाधोपुर और चूरू में 2-2 तथा कोटा व श्रीगंगानगर 1-1 नया करोना संक्रमित मिला है। सोमवार को मात्र 41 संक्रमित मरीज रिकवर होकर घर लौटे हैं, फिलहाल 804 एक्टिव केस प्रदेश में मौजूद हैं।

उधर प्रदेश में तेजी से बढ़ते करोना संक्रमण को देखते हुए चिकित्सा विभाग भी हरकत में आया है। सोमवार को चिकित्सा शिक्षा सचिव टी. रविकांत और चिकित्सा व स्वास्थ्य सचिव डॉ. पृथ्वी ने अधिकारियों की बैठक बुलाकर कोविड प्रबंधन पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिये कि जहां-जहां पर तेजी से कोविड रोगी मिल रहे हैं, वहां-वहां सैंपलिंग बढ़ाई जाये। साथ ही प्रदेश के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में मॉकड्रिल, रिपोर्टिंग व अन्य उपचार सेवाओं पर भी निगरानी रखी जाये।

टी. रविकांत ने कहा कि, आडटडोर में आने वाले तमाम मरीजों में कोविड लक्षण पाये जाने पर उनकी कोविड सैम्पलिंग अनिवार्य रूप से करें। संकलित सैम्पलों को जांच के लिए निर्धारित केन्द्रों पर यथाशीघ्र भिजवाने तथा संक्रमित मरीजों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार देना सुनिश्चित करें।

■ इनमें सबसे ज्यादा 55 संक्रमित जयपुर में मिले हैं। फिर राजसमंद में 35, झालावाड़ में 22, उदयपुर व जोधपुर में 16-16, अलवर में 13, अजमेर में 10, पाली में 8, बांसवाड़ा में 5, टोंक व बूंदी में 4-4, चित्तौड़गढ़ में 3, सवाई माधोपुर व चूरू में 2-2, कोटा व श्रीगंगानगर में 1-1 संक्रमित मिला है।

बैठक में निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, एस.एन.ओ. आईडीएसपी डॉ. प्रवीण असवाल, एसएमएस अस्पताल की माइक्रोबायोलोजिस्ट डॉ. भारती मल्होत्रा सहित सबंधित अधिकारी मौजूद थे।

पायलट के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जयराम रमेश द्वारा लिखे गये उस पत्र के बाद, जिसमें साफ तौर पर यह घोषणा की गई थी कि राज्य विधानसभा के आगामी चुनाव गहलोत के नेतृत्व में लड़े जायेंगे, पार्टी महासचिव तथा राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पायलट से बात करने तथा उनके इस विरोध-प्रदर्शन को कर्नाटक के चुनाव सम्पन्न हो जाने तक टाल देने के लिये उन्हें तैयार करने के मामले में कोई तत्परता नहीं दिखाई। सूत्रों का कहना है कि रंधावा मंगलवार शाम तक जयपुर पहुँचेंगे तथा तब तक पायलट का अनशन समाप्त हो चुका होगा।

पिछले साल के पंजाब के चन्नी-सिद्धू अनुभव से डरे हुये, कांग्रेस नेतृत्व गहलोत और पायलट के बीच संतुलन की कोशिशों पर जोर देता रहा। लेकिन दोनों के बीच के संबंध ऐसे बिन्दु पर पहुँच गये हैं, जहाँ से लौटना संभव नहीं है। ऐसी संभावना दिखाई दे रही है कि आने वाले समय में, कुछ न कुछ तो टूटेगा ही।

तृणमूल, एन.सी.पी. व सी.पी.आई. को चुनाव आयोग से बड़ा झटका लगा

चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय पार्टी होने का दर्जा छीना, साथ ही चुनाव आयोग ने आप पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी घोषित किया

नई दिल्ली, 10अप्रैल। ममता बनर्जी की टी.एम.सी. और शरद पवार समेत कई दलों को चुनाव आयोग से बड़ा झटका लगा है, लेकिन अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस, एन.सी.पी., सी.पी.आई. और ए.आई.टी.सी. से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा वापस ले लिया है। वहीं अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल गया है। एन.सी.पी. और ए.आई.टी.सी. को नागालैण्ड और मेघालय में राज्य दलों के रूप में मान्यता दी जाएगी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी की दर्जा मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी? ये किसी चमत्कार से कम नहीं। सबको बहुत-बहुत बधाई। देश के करोड़ों लोगों ने हमें यहां तक पहुंचाया है।

■ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी की दर्जा मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी? ये किसी चमत्कार से कम नहीं।

लोगों को हम से बहुत उम्मीद है। आज लोगों ने हमें ये बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी है।

इसके अलावा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को नागालैंड में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता मिली है और टिपरा मोथा पार्टी को त्रिपुरा में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता मिली है। वहीं बी.आर.एस को आंध्र प्रदेश में एक राज्य पार्टी के रूप में अमान्य किया गया है।

रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी को पश्चिम बंगाल में एक राज्य पार्टी के रूप में अमान्य किया गया है।

मेघालय में वॉइस ऑफ द पीपुल पार्टी को राज्य स्तरीय पार्टी के रूप में मान्यता मिली है।

महाराष्ट्र में मंदिर में नीम का पेड़ गिरा, 7 की मौत

अकोला, 10 अप्रैल (वार्ता)। महाराष्ट्र में अकोला जिले के पारस गांव में एक टीन की छत पर नीम का पेड़ गिरने से एक धार्मिक समारोह में शामिल होने के लिए इकट्ठा हुए कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गयी, जबकि अन्य 36 घायल हो गये।

■ महाराष्ट्र के अकोला जिले में पारस मंदिर में कई लोग धार्मिक समारोह में शामिल हुये थे, इस दुर्घटना में अन्य 36 लोग घायल हो गये।

एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना बालापुर तालुका के पारस गांव में स्थित बाबूजी महाराज मंदिर में रविवार की रात हुई, जब कुछ लोग महाआरती के लिए एकत्रित हुए थे।

उस इलाके में तेज हवा और बारिश के कारण मंदिर परिसर में नीम का एक पेड़ टीन की छत पर गिर गया।

अरुणाचल प्रदेश के आखिरी छोर पर पहुँचे गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को अरुणाचल प्रदेश दौरे पर पहुँचे। चीन से सटी अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए अमित शाह ने साफ कर दिया कि, भारत की ओर बुरी नजर से देखने के दिन लद गए और अब कोई एक भी इंच जमीन पर अतिक्रमण नहीं कर सकता है।

अमित शाह ने सीमा से सटे गांव काहो को अब देश के आखिरी गांव के बजाय पहला गांव करार दिया। इस दौरे से जहां चीन को संकेत दिया गया कि भारत किसी दबाव में रहने वाला नहीं है। वहीं विपक्षी दलों की अब तक की 12 सरकारों पर भी निशाना साधा और कहा कि बार्डर इंफ्रास्ट्रक्चर पर जो 12 सरकारें नहीं कर सकीं, वह नरेन्द्र मोदी सरकार ने दो कार्यकाल में ही कर दिया।

अरुणाचल प्रदेश का नामकरण भगवान परशुराम द्वारा किये जाने का उल्लेख कर अमित शाह ने चीन को स्पष्ट संदेश दे दिया कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और भारत की धरती पर सूर्य की पहली किरण यहीं पड़ती है।

■ अमित शाह ने, अरुणाचल प्रदेश के नामकरण का जिक्र कर कहा, भगवान परशुराम ने दिया था अरुणाचल नाम, कोई हमारी एक इंच जमीन पर भी अतिक्रमण नहीं कर सकता

■ अमित शाह ने ''वाइब्रेंट विलेज'' प्रोग्राम के तहत अरुणाचल प्रदेश के किबिथू गांव का दौरा किया। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत ग्रामीण इलाकों का विकास किया जायेगा।

अमित शाह ने सोमवार को प्रदेश के किबिथू इलाके में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की शुरुआत की।

इससे सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार आएगा। साथ ही पलायन रोकने और सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिहाज से भी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम काफी अहम माना जा रहा है। बता दें कि अरुणाचल का किबिथू गांव चीन से सटा हुआ है। शाह की वाइब्रेंट विलेज योजना पर 4800 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

बता दें कि चीन से तनाव के बीच शाह अरुणाचल प्रदेश पहुंचे हैं। शाह का दौरा इस मायने में अहम है कि चीन ने पुरानी चाल चलते हुए दो दिन पहले ही अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदले हैं। चीन के इस कदम को भारत ने खारिज कर दिया है।

गहलोत ने रंधावा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गहलोत की टीम ने पूरी तरह ''मैनेज'' कर लिया है।

सूत्रों का कहना है कि रंधावा मंत्री रामलाल जाट के आवास में रह रहे हैं जो कि धर्मेन्द्र राठौड़ के आलीशान घर के बगल में है। धर्मेन्द्र राठौड़ के खिलाफ ए.आई.सी.सी. की अनुशासन समिति ने अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरु की है।

रंधावा के लिये धर्मेन्द्र राठौड़ ने घर तैयार किया है। राजस्थान में सवाल यह पूछा जा रहा है कि रंधावा एक तरफा गेम खेल रहे हैं तो फिर वे न्याय कैसे करेंगे।

अशोक गहलोत और उनके समर्थकों की टीम ने पार्टी में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दबाने के लिये हमेशा धन बल का इस्तेमाल किया है। एक के बाद एक महासचिवों को इस गुट को मैनेज कर लिया, फिर इन सभी ने खुल कर गहलोत का पक्ष लिया है। अब रंधावा भी एक और अविनाश पांडे बन गए हैं।

राजस्थान के महासचिव प्रभारी रहे पांडे ने तो जयपुर पहुंचने से पहले ही गहलोत का गुणगान शुरु कर दिया था और यही रंधावा के साथ हो रहा है लगता है उन्होंने भी समझौता कर लिया है और कांग्रेस ने राजस्थान के घटनाक्रम पर आँखें मूंद ली हैं, भले ही इसकी कीमत पार्टी को चुकानी पड़े।

बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार घटा

ढाका, 10 अप्रैल (वार्ता)। बंगलादेश का विदेशी मुद्रा भंडार मार्च के अंत तक 31.14 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जो दिसंबर 2016 के बाद सबसे निचला स्तर है। बंगलादेश बैंक (बी.बी.) के आंकड़ों के मुताबिक मार्च में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.11,427. 2 लाख डॉलर था। यह फरवरी में 3,23, 337.1 लाख डॉलर था। बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार एवं ट्रेजरी प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह दिसंबर 2016 के बाद से बंगलादेश के विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे निचला स्तर है। साल 2016 में बंगलादेश का विदेशी मुद्रा भंडार पहली बार 32 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया था। अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन संकट के कारण आयात लागत बढ़ने से विदेशी मुद्रा भंडार छह साल के निचले स्तर पर आ गया है।

पायलट के अनशन से गहलोत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि पार्टी शीघ्र ही कोई कठोर निर्णय ले।

राशिद अल्वी ने कहा, ''पार्टी हाई कमान को कार्यवाही करनी ही पड़ेगी।''

मीडिया का एक वर्ग, जो आमतौर से गहलोत का पक्ष लेता है, ऐसा जताने की कोशिश कर रहा है कि नेतृत्व गहलोत का समर्थन कर रहा है और हो सकता है कि पायलट कांग्रेस छोड़ने का आधार तैयार कर रहे हों। लेकिन इस बात में रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है क्योंकि पायलट लम्बी लड़ाई के लिये तैयार हैं।

गहलोत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस घृणित एवं तिक्त लड़ाई का कोई आसान समाधान नहीं है।

सन् 2020 में, जिस साल सारी दुनिया में कोविड फैला था, पायलट ने मुख्यमंत्री के खिलाफ अपना पहला बड़ा विद्रोह किया था तथा काफी दिनों तक दिल्ली के नज़दीक डेरा डाले रहे थे, किन्तु गांधी परिवार के साथ हुई उनकी मीटिंग तथा उनकी समस्या के समाधान के आश्वासन के बाद, पायलट ने अपने कदम पीछे हटा लिये थे।

■ जैसा कि विदित ही है, पायलट गहलोत स्पर्धा, 2018 के चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद ही शुरू हो गयी थी। पर, पायलट ने अनिच्छा से गहलोत का नम्बर दो होना स्वीकार कर लिया था, क्योंकि गहलोत ने हाई कमान से वादा किया था कि, दो साल बाद वे पायलट के लिये मु.मंत्री पद खाली कर देंगे, पर, जब गहलोत अपने वादे से मुकरे तो, पायलट ने गहलोत की खिलाफत का झण्डा उठाया।

उस बात को तीन साल हो गये, लेकिन पैच-अप की कोई स्थिति नजर नहीं आ रही। पायलट ने भारत जोड़ो यात्रा के शीघ्र बाद ही, राजस्थान में एक एकल प्रचार अभियान शुरु किया था। अब तक की स्थिति यह है कि उस अभियान से दुश्मनी और बढ़ी ही है और यह चीज दोबारा निर्वाचित होकर सत्ता में आने की कोशिश कर रही पार्टी के लिये अच्छी नहीं है।

गहलोत-पायलट की लड़ाई, जो राजस्थान में 2018 की कांग्रेस की जीत के बाद ही शुरु हो गई थी, अंदर ही अंदर धधकती रही है।

हालाँकि पायलट शुरु में गहलोत के साथ एक गौण नेता के रूप में काम करने के लिये सहमत हो गये थे क्योंकि गहलोत ने पार्टी हाई कमान से वादा किया था कि अपने उपमुख्यमंत्री के लिये मुख्यमंत्री की कुर्सी आधी अवधि के बाद छोड़ देंगे।

लेकिन जब गहलोत ने अपना वादा पूरा नहीं किया, तो पायलट ने दो साल बाद विद्रोह करते हये, सत्ता में बेहतर हिस्से की माँग की दी।

'राहुल गांधी अब सिर्फ ''ट्रोल'' तक ही सीमित रह गये हैं'

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। राहुल गांधी के बयानों और ट्वीट्स के जवाब में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्वीट करते हुए कहा कि राहुल गांधी अब केवल ट्रोल तक ही सीमित रह गए हैं। उन्होंने लिखा, ''स्पष्ट है कि अब आप एक ट्रोल तक सीमित हो चुके हैं। मुझ पर बेबुनियाद आरोप लगाने, और मुख्य मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के बजाय, इन तीन प्रश्नों का जवाब क्यों नहीं देते?'' ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सवालों को ट्वीट करते हुए लिखा, '' पिछड़े वर्ग को लेकर अपने अपमानजनक बयान के लिए माफ़ी क्यों नहीं मांगते? उल्टा कहते हैं कि आप सावरकर जी नहीं हैं, माफ़ी नहीं मांगेंगे! देश सेवक का अपमान और इतना अहंकार। जिस न्यायालय पर कांग्रेस ने सदैव उंगली उठाई, आज अपने स्वार्थ हेतु उस पर दबाव क्यों बना रहे हैं?''

■ अपने खिलाफ किये गये ट्वीट के जवाब में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी पर तीन प्रश्न खड़े किये।

ज्योतिरादित्य ने लिखा कि राहुल गांधी के लिए नियम अलग क्यों हों। उन्होंने लिखा, ''आपके लिए नियम अलग क्यों हों ? अपने आप को क्या आप फर्स्ट क्लास नागरिक मानते हैं? आप अहंकार में इस कदर ग्रस्त है कि शायद इन सवालों की महत्ता भी आपकी समझ से परे है।'' वहीं इससे पहले भी वह राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर हमला बोल चुके हैं। उन्होंने कांग्रेस पर अपनी राजनीति चमकाने के लिए देश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपमान का आरोप लगाया था।

गौरतलब है कि, साल 2020 से पहले तक राहुल गांधी के सबसे करीबी दोस्तों में से एक ज्योतिरादित्य सिंधिया की गिनती हुआ करती थी। टीम राहुल गांधी में उनकी गिनती हुआ करती थी, लेकिन मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस पार्टी से नाता तोड़ लिया।

उसके बाद वे भाजपा में शामिल हुए और केंद्र की मोदी सरकार में उन्हें कैबिनेट में शामिल किया गया। इस समय बीजेपी के तमाम नेता राहुल गांधी पर हमलावर हैं।

देश भर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जांच की जाएगी।

एक उच्चस्तरीय समिति जांच की निगरानी करेगी। समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बी.एस. चौहान करेंगे। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी.वाय. चंद्रचूड और जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा व जस्टिस जे.बी. पारदीवाला की बैंच ने एडवोकेट अजय शंकर श्रीवास्तव की अपील पर वह आदेश पारित किया। श्रीवास्तव ने सभी राज्य बार काउन्सिल को दिए गए बी.सी.आई. के आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस चौहान के अलावा कमेटी में इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस अरुण टंडन, दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस राजेन्द्र मैनन, सीनियर वकील राकेश द्विवेदी और मनिन्दर सिंह तथा बी.सी.आई. द्वारा मनोनीत तीन सदस्य शामिल होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी विश्वविद्यालय और परीक्षा बोर्ड बिना कोई शुल्क लिए डिग्री की सत्यता की पुष्टि करेंगे। आदेश में कहा गया है कि, हम आग्रह करते हैं कि समिति पारपस्परिक रुप से विचार कर सुविधाजनक तिथि और समय से काम शुरु करे और 31 अगस्त 2023 तक स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

शिव कुमार ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकती है तथा कांग्रेस एक स्वर्णिम अवसर को खत्म कर गवां रही है।

सिद्धारमैया ने स्वयं को मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तुत करने का मजबूत प्रयास किया है, लेकिन शिव कुमार के ''खड़गे कार्ड'' को इसके पलटवार के रूप में देखा जा रहा है।

पार्टी हलकों में एक अन्य दलित नेता सी.के. परमेश्वर के नाम की चर्चाएं हैं। इसे भी सिद्धारमैया की संभावनाओं की लुटिया डुबोने के रूप में देखा जा रहा है।

सिद्धारमैया के विश्वासपात्र बी.एस. शिवान्ना ने खेद प्रकट करते हुए कहा कि पार्टी अध्यक्ष के सर्वोच्च पद पर पहुंच चुके खड़गे का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए चलाना अनुचित है। शिवान्ना खड़गे को एक राष्ट्रीय नेता एवं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार मानते हैं।

खड़गे की मुख्यमंत्री बनने की पहले भी महत्वाकांक्षाएं थीं, लेकिन कुछेक बार वह यह मौका चूक गए। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस की मीडिया विंग के अध्यक्ष प्रियंक खड़गे ने कहा कि इस स्थिति में मुख्यमंत्री को लेकर बात करना काफी जल्दबाजी होगा।

शिव कुमार खेमा भी अपनी संभावनाओं को आगे बढ़ाने को लेकर हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा है। उनके खेमे के लोगों का मानना है कि जिन लोगों को पहले मौका मिल चुका है, उन्हें अन्य लोगों को मौका देना चाहिए। जो नेता शिव कुमार के निकट हैं, उनका कहना है कि पार्टी के अधिकांश पदाधिकारियों का मूड यही है कि शिव कुमार को मुख्यमंत्री बनने का मौका देना चाहिए। उनमें एक पूर्व मंत्री टी.बी. जयचन्द्र भी शामिल हैं।

'यूरोप को अब अमेरिका का पिछलग्गू बनकर नहीं रहना चाहिये'

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने चीन की ओर अपना स्पष्ट झुकाव जाहिर करते हुये कहा, यूरोप को ताइवान मुद्दे पर अमेरिका और चीन के बीच नहीं आना चाहिये

पैरिस/नई दिल्ली, 10अप्रैल। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाल ही में चीन का दौरा किया और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने चीन से रूस और यूक्रेन जंग को रोकने और शांति बहाल करने की दिशा में बातचीत की। लेकिन साथ ही चीन से अपने रिश्ते को बढ़ाने के संकेत भी दिए। चीन के साथ अपने कारोबार को और बढ़ाने की बात करने वाले मैक्रों ने स्पष्ट कहा कि अब अमेरिका की खुशामद करना बंद कर देना चाहिए। कब तक यूरोप के देश यानी यूरोप अमेरिका का पिछलग्गू बना रहेगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यूरोप को अमेरिका पर अपनी निर्भरता घटाने की सलाह दी है। चीन से मुलाकात के बाद मैक्रों के सुर बदले नजर आ रहे हैं। वे अमेरिका से अलग यूरोप का वजूद चाहते हैं, इसलिए इस तरह के बयान दिए हैं। इमानुएल मैक्रों तो ये भी चाहते हैं कि यूरोप 'तीसरी शक्ति' बनकर उभरे, जिसका लीडर फ्रांस हो।

■ गौरतलब है कि, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाल ही में चीन का दौरा किया और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की।

■ चीन के इस दौरे के बाद से ही राष्ट्रपति मैक्रों के विचार काफी बदले-बदले नज़र आने लगे हैं। उन्होंने अपने बयान में चीन से रूस और यूक्रेन जंग को रोकने और शांति बहाल करने की दिशा में बातचीत की। लेकिन साथ ही चीन से अपने रिश्ते को बढ़ाने के भी स्पष्ट संकेत दिए।

यही कारण है कि मैक्रों ने अपने वक्तव्य में कहा कि ''यूरोपीय देशों को ताइवान मुद्दे पर चीन और अमेरिका के बीच नहीं आना चाहिए।'' मैक्रों की ये टिप्पणी ऐसे वक़्त में आई है, जब चीन ताइवान से सटे इलाके में सैन्य अभ्यास कर रहा है।

बुधवार को ताइवानी राष्ट्रपति साई इंग वेन और अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव केविन मैकेर्थी से के बीच जो मुलाकात हुई, उसके बाद शनिवार से सैन्य अभ्यास और तेज हो गया। चीन अभ्यास के नाम पर ताइवान पर दबाव डाल रहा है।

अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मैक्रों ने इस बारे में अपने वक्तव्य में कहा कि 'ये बड़ी विडंबना है कि यूरोप यह मानता है कि वो अमेरिका का अनुयायी है। यूरोप के लोगों को इस प्रश्न का हल ढूंढना चाहिए कि क्या ताइवान में तनाव बढ़ना उनके हित में हैं?' मैक्रों ने कहा कि 'हम यूरोपीय लोग इस मुद्दे पर अमेरिका की तरह सोचने लगे हैं और हम अमेरिकी एजेंडे और इस पर चीन की प्रतिक्रिया को देखकर अपने कदम उठाना चाहिए।'

मैक्रों ने साफ कहा कि ''यूक्रेन और रूस की जंग के संकट का हल तो निकाल नहीं पा रहे हैं। ऐसे में वहां इतनी दूर ताइवान के मुद्दे पर हम कैसे कह सकते हैं कि चीन ने कुछ गलत किया तो हम पहुंच जाएंगे।'' हमें यूरोप की समस्याओं को पहले देखना चाहिए। अमेरिका के दृष्टिकोण से नहीं चलना चाहिए।

हालांकि यूरोप के देशों और यूरोपीयन यूनियन ने मैक्रों के इस विचार को ''बकवास'' बताया है।

राष्ट्रपति मैक्रों की चीन के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद चीन के पक्ष में दिखाई देने वाले बयान देने लगे हैं। जो अमेरिका को बिल्कुल अच्छे नहीं लग रहे हैं।

एक और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

986 करोड़ रु. अदा किए गए हैं।

कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन पवन खेड़ा ने पूछा कि क्या मोदी सरकार ने नया स्पायवेअर खरीदा है ताकि लोगों व संख्याओं की जासूसी की जा सके।

ए.आई.सी.सी. कार्यालय में एक प्रैस क्रॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुए पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि इन संस्थाओं में विपक्षी दल, एन.जी.ओ., मीडिया हाउसेज़, सिविल राइट्स एक्टिविस्ट्स, न्यायपालिका, चुनाव आयोग व लोकतंत्र की सुरक्षा करने वाला हरेक संस्थान शामिल है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डेटा जिसका विश्लेषण एक प्रमुख अखबार ने किया है, के अनुसार मोदी सरकार पैगसस के विकल्प के रुप में ''कोग्नाइट'' उपकरण खरीद चुकी है।

खेड़ा ने कहा कि सरकार पैगसस सिस्टम, जिसे कई देशों ने ब्लैक लिस्ट कर रखा है, की तुलना में एक कम चर्चित स्पायवेयर की तलाश में थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600